

G.P. - Psychology

B.A. II (H) - Paper - III

01

Etiology of Paranoia

हिथर - व्यामोह का कोई आनुवंशिक कारण नहीं होता है, क्योंकि रोगी में किसी प्रकार की शारीरिक गड़बड़ी तथा जननिक विकृतियाँ नहीं होती हैं। इस रोग में मनोसामाजिक कारकों की भूमिका काफी अधिक होती है। ऐसे प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं :-

① Failure and feeling of inferiority :-

Paranoia का एक प्रमुख कारण विफलता एवं होनरा की भावना है। सामाजिक जीवन, व्यावसायिक जीवन एवं दाम्पत्य जीवन में बार-बार की असफलताओं से व्यक्ति में होनरा की भावना उत्पन्न होती है जिसे दियाने के लिए व्यक्ति delusion of grandeur तथा self-importance जैसे विज्ञान विरुद्ध मर लेता है और धीरे-धीरे paranoia का रोगी बन जाता है।

② Faulty learning and development :-

Bohner & Smith (1970) एवं Schwartz (1973) के अध्ययनों से स्पष्ट है कि जो व्यक्ति बचपन में अधिक एकाग्रप्रिय, जिद्दी, शरकी, दण्ड देने पर प्रतिरोध करने वाले होते हैं, उनमें यह रोग विकसित होता है। दोषपूर्ण पारिवारिक पृष्ठभूमि में दोषपूर्ण शिक्षण ही होता है और ऐसे व्यक्ति में paranoia के लक्षण विकसित हो जाते हैं।

③ Sexual maladjustment :- Freud ने paranoia का एक प्रमुख कारण homosexuality बताया है। आधुनिक मनोचिकित्सकों ने heterosexuality

को भी प्रभाव कारण माना है। व्यक्ति लैंगिक कुसमापोजन से उत्पन्न मानसिक संघर्ष का समाधान प्रिय व्यक्ति के प्रति delusion of jealousy विकसित करे करता है।

④ Elaboration of defensive structures:-

जैसा कि हम जानते हैं कि पक्वमनोवै रोगी के जीवन में असफलताओं की लम्बी सूची होती है। व्यक्ति अपनी असफलताओं से अपने-आपको बचाने के लिए तरह-तरह के रक्षात्मक उपायों का सहारा लेता है। रक्षात्मक संरचनाओं के विवृतिकरण से व्यक्ति में पक्वमनोवै के लक्षण विकसित हो जाते हैं।

⑤ A particular type of personality:-

अध्ययनों से स्पष्ट है कि पक्वमनोवै जैसे व्यक्तियों में विकसित होता है जो सदैव ईर्ष्यालु, महत्वाकांक्षी, तथा असाधारण रूप से संवेदनशील होते हैं। जब ये सारी विशेषताएँ व्यक्ति में लम्बे समय तक मौजूद रहती हैं, तो इससे व्यक्ति में अनावश्यक रूप से अपने को बड़ा समझने की भावना उत्पन्न हो जाती है। ऐसे लोग अपनी सेफ्टी बनाए रखने के लिए अपने समीपस्थों को बर्बरता से धोखा देते हैं। इससे धीरे-धीरे उनके व्यक्तित्व विकसित हो जाते हैं और वह पक्वमनोवै का रोगी बन जाता है।